दिल्ली विश्वविद्यालय
University of Delhi

कुलसचिव
REGISTRAR

प्रेस विज्ञप्ति

वृक्षरोपण डी.यू. में नए पाठ्यचर्या का हिस्सा है

पर्यावरण शिक्षा से पर्यावरणीय कार्रवाई तक

दिल्ली विश्वविद्यालय ने आज एक नया और अभिनव कदम उठाया जो जमीनी स्तर पर पर्यावरण शिक्षा से पर्यावरणीय कार्रवाई की ओर बढ़ेगा। आगामी शैक्षणिक सत्र से अब प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अपने अध्ययन के दौरान देश में कहीं भी कम से कम एक पेड़ लगाना अनिवार्य हो गया है। यह स्नातक-पूर्व (अंडर ग्रेजुएट), स्नातकोत्तर और एम.फिल/पीएच.डी स्तर पर लागू होगा। कार्यक्रम की संबंधित महाविद्यालयों, केन्द्रों और विभागों द्वारा वैज्ञानिक रूप से निगरानी की जाएगी और मूल्यांकन किया जाएगा। मूल्यांकन के तरीकों और प्रक्रिया के विवरण को सरल बनाया गया है और विद्यार्थियों के लिए आसान बना दिया गया है ताकि वे वास्तव में समाज में और बेहतर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपना योगदान दे सकें। विश्व आज न केवल कोविड-19 महामारी के कारण सबसे बड़े मानवीय संकट का सामना कर रहा है, बल्कि तेजी से कई पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों से भी गुजर रही है। पहली बार, हम सभी को ऑक्सीजन के मूल्य का एहसास हुआ और महामारी ने हमें बहुत कुछ सिखाया है। इसलिए, हमें चुनौतियों से मिलकर लड़ने और भविष्य की समस्याओं से निपटने के लिए स्वयं को तैयार करने की जरूरत है। प्रोफ़ेसर पी. सी. जोशी, कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय ने प्रेस वार्ता में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि लाखों उपयुक्त पेड़ लगाना और एक प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना सबसे अच्छा तरीका है और इसे विद्यार्थियों की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

प्रो. पी.सी. जोशी ने कहा, प्रत्येक वर्ष दिल्ली विश्वविद्यालय देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों विद्यार्थियों को प्रवेश देता है और वे हमारे जलवायु योद्धा होंगे। यह सर्वविदित है कि पौधे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, कैंसर पैदा करने वाले रसायनों सहित कई हानिकारक प्रदूषकों को अवशोषित करते हैं, मिट्टी के कटाव, भूस्खलन आदि को रोकते हैं, हिमालयी अध्ययन केंद्र के निदेशक और प्रस्ताव के सूत्रधार वनस्पतिशास्त्री प्रोफेसर दीनबंधु साहू ने कहा। साहू ने कहा, आज हम एक बड़े बायोस्फीयर संकट का सामना कर रहे हैं और भारत में प्रति व्यक्ति केवल **28 पेड़** उपलब्ध हैं, जबकि वैश्विक औसत प्रति व्यक्ति **422** पेड़ है, कनाडा में **8,953** और चीन में प्रति व्यक्ति **130** पेड़ हैं। प्रोफेसर जोशी ने कहा कि वृक्षारोपण और उसके बाद के रखरखाव से न केवल एक विविध स्तर पर रोजगार पैदा करने में एक बड़ी आपूर्ति शृंखला का निर्माण होगा, बल्कि कई मूल्यवान उत्पाद भी मिलेंगे जो एक विविध स्तर पर उपयुक्त आय प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र एस.डी.जी लक्ष्यों को पूरा करने की हमारी जिम्मेदारी है। इस नई पहल को लेकर विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी काफी उत्साहित हैं। इस अवसर पर प्रोफेसर बलराम पाणि अधिष्ठाता-महाविद्यालय, प्रोफेसर सुमन कुंडु, निदेशक-दक्षिण परिसर, प्रोफेसर डी.एस. रावत अधिष्ठाता-परीक्षा, डॉ. विकास गुप्ता, कुलसचिव और कई अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

विकास गुप्ता
कुलसचिव

7 अगस्त, 2021

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
University of Delhi, Delhi-110007
दूरभाष/Tel. : 27667853; फैक्स/Fax : 27666350; वैबसाइट/Website : www.du.ac.in; ईमेल/E-mail : registrar@du.ac.in